केन्द्रीय विद्यालय संगठन, बेंगलूरु संभाग

पूर्व बोर्ड परीक्षा (सत्र: 2024-25)

कक्षा: बारहवीं(XII) **अधिकतम अंक: 80**

विषय: हिन्दी आधार-(302) **समय- 3 घंटे**

अंक योजना(MARKING SCHEME)

सामान्य निर्देश :-

- **अंक योजना का उद्देश्य मूल्यांकन को अधिकाधिक वस्तुनिष्ठ बनाना है।**
- **वस्तुपरक प्रश्नों के उत्तरों का मूल्यांकन निर्दिष्ट अंक योजना के आधार पर ही किया जाए।**
- **वर्णनात्मक प्रश्नों के अंक योजना में दिए गए उत्तर बिंदु अंतिम नहीं हैं। ये सुझावात्मक एवं सांकेतिक हैं।**
- **यदि परीक्षार्थी इन सांकेतिक बिंदुओं से भिन्न, किंतु उपयुक्त उत्तर दे तो उसे अंक दिए जाएँ। मूल्यांकन कार्य निजी व्याख्या के अनुसार नहीं, बल्कि अंक योजना में निर्दिष्ट निर्देशानुसार ही किया जाए।**

	खंड 'अ' (वस्तुपरक प्रश्न)	
	अपठित गद्यांश	
प्रश्न1.	**गद्यांश पर आधारित प्रश्न**	**10**
(i)	(घ) II. और III.	1
(ii)	(ख) सदाचार	1
(iii)	(ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है ।	1
(iv)	कबीर की प्रासंगिकता या अन्य कोई उपयुक्त शीर्षक	1
(v)	देश में व्याप्त सांप्रदायिकता की समस्या को ज्वालामुखी कहा गया है, क्योंकि देश में जाति, धर्म, भाषागत ईर्ष्या, द्वेष, बैर-विरोध की भावना समय-असमय ज्वालामुखी के रूप में भड़क उठती है।	2
(vi)	समाज में एकरूपता तभी लाई जा सकती है जब जाति, वर्ण, वर्ग, भेद न्यून-से-न्यून हों। कबीर आदि संतों नके बताए मार्गों पर चलकर समाज में एकरूपता स्थापित की जा सकती है।	2
(vii)	कबीर ने पूजा, नमाज़, व्रत, रोज़ा आदि के दिखावे का विरोध किया क्योंकि मनुष्य द्वारा विभिन्न विचार व ईश्वर प्राप्ति के विभिन्न मार्ग अपनाने से धार्मिक कट्टरता को बल मिलता है।	2
प्रश्न2	**काव्यांश पर आधारित प्रश्न**	**8**
(i)	क. राष्ट्र का नव निर्माण	1

(ii)	घ.. देश के नवयुग निर्माण हेतु	1
(iii)	घ . उपर्युक्त सभी	1
(iv)	ऊंचा शीश उठाने वाले वे होते हैं जो तूफानों में सहनशीलता और दृढ़ता के साथ खड़े रहते हैं।	1
(v)	नवयुग के पृष्ठों पर नूतन इतिहास लिखना होता है।	2
(vi)	नए प्रात: का नया जागरण राष्ट्र के प्राणों को जगा सकता है और उन्हें नई दिशाओं की ओर आमंत्रित कर सकता है।	2
	खंड-ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न)	
प्रश्न3.	**दिए गए अप्रत्याशित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए :-**	**1x6=6**
	आरम्भ - 1 अंक विषयवस्तु - 3 अंक प्रस्तुति - 1 अंक भाषा - 1 अंक	
प्रश्न4.	**किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर 40 शब्दों में लिखिए|**	**4x2=8**
क.	उल्टा पिरामिड शैली एक लेखन तकनीक है जिसका उपयोग विशेष रूप से पत्रकारिता में किया जाता है। इस शैली में सबसे महत्वपूर्ण और मुख्य जानकारी को लेख के प्रारंभ में प्रस्तुत किया जाता है, जबकि कम महत्वपूर्ण जानकारी को क्रमशः नीचे की ओर रखा जाता है।	
ख.	रटंत ज्ञान एक बुरी आदत के समान है जो किसी भी विषय के बारे में रट कर पढ़ी गई बातों को ज्यों का त्यों प्रस्तुत करती है ।इसमें मानसिक अभ्यास के लिए कोई अवसर नहीं होता ।	
ग.	**विशेष लेखन**, एक प्रकार का लेखन है जिसमें किसी विशेष विषय, घटना, व्यक्ति, या स्थान के बारे में विस्तृत और गहन जानकारी दी जाती है। **विशेष संवाददाता**, एक पत्रकार होता है जो किसी विशेष क्षेत्र, विषय, या घटना पर रिपोर्टिंग करता है। विशेष संवाददाता को अपने क्षेत्र में विशेषज्ञता होती है और वे महत्वपूर्ण घटनाओं, मुद्दों, और विषयों पर विस्तृत और सटीक जानकारी प्रदान करते हैं।	
घ.	**अंशकालिक पत्रकार (स्ट्रिंगर)-** किसी समाचार संगठन के लिए एक निश्चित मानदेय पर काम करनेवाले पत्रकार ।	
ड.	रेडियो नाटक के मुख्य तत्व निम्नलिखित हैं: **कहानी:** कहानी श्रोताओं को बांधे रखने में सक्षम होनी चाहिए1. **पात्र:** रेडियो नाटक के पात्र अच्छी तरह से विकसित होने चाहिए। **संवाद:** संवाद स्पष्ट, संक्षिप्त और प्रभावी होने चाहिए।	

	ध्वनि प्रभाव: ध्वनि प्रभावों का सही उपयोग रेडियो नाटक को जीवंत बनाता है। जैसे कि दरवाजे की आवाज, बारिश की आवाज, या किसी विशेष स्थान का माहौल बनाने के लिए ध्वनि प्रभावों का उपयोग किया जाता है1. **संगीत:** यह दृश्य परिवर्तन और वातावरण निर्माण में भी सहायक होता है1. **वर्णन**: वर्णन के माध्यम से श्रोता को दृश्य और घटनाओं की जानकारी दी जाती है1.	
(5)	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए:**	**2x4=8**
क.	क. कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय निम्नलिखित बातों का ख्याल रखना आवश्यक है: • **कथानक का विभाजन:** कहानी की कथावस्तु को समय और स्थान के आधार पर विभाजित करें। प्रत्येक घटना और दृश्य को स्पष्ट रूप से अलग करें। • **पात्रों का विकास:** पात्रों के मनोभावों और उनके विकास को ध्यान में रखें। • **संवाद लेखन:** संवादों के माध्यम से पात्रों की भावनाओं और विचारों को स्पष्ट करें। • मंच सज्जा, संगीत और ध्वनि: नाटक के लिए उपयुक्त मंच सज्जा, प्रकाश व्यवस्था, और ध्वनि प्रभावों का चयन करें। • **दृश्य विभाजन:** प्रत्येक दृश्य को स्पष्ट रूप से विभाजित करें और उन्हें क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत करें। दृश्य विभाजन करते समय कथानक के विकास का ध्यान रखें। • **अभिनय:** पात्रों के हाव-भाव और शारीरिक भाषा पर विशेष ध्यान दें।	
ख.	• साक्षात्कार लिखते समय निम्नलिखित बातों का ख्याल रखना आवश्यक है: • **तैयारी**: साक्षात्कार से पहले साक्षात्कारदाता और उसके विषय की पूरी जानकारी प्राप्त करें। • **प्रश्नों की सूची**: पहले से प्रश्नों की एक सूची तैयार करें। प्रश्न स्पष्ट और संक्षिप्त होने चाहिए। • **सुनना**: साक्षात्कार के दौरान ध्यान से सुनें और साक्षात्कारदाता के उत्तरों पर आधारित अनुवर्ती प्रश्न पूछें। • **रिकॉर्डिंग**: साक्षात्कार को रिकॉर्ड करें (यदि संभव हो) ताकि बाद में आप सटीकता से लेख लिख सकें। • **नोट्स**: मुख्य बिंदुओं को नोट करें। इससे लेख लिखते समय आपको महत्वपूर्ण जानकारी याद रहेगी|	
ग.	नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन में आने वाली कठिनाइयाँ - • विषय से जुड़ी जानकारियों और तथ्यों का अभाव । • शब्द-भण्डार के अल्पज्ञान के कारण मन के विचारों को शब्दबद्ध करने की कठिनाई । • लेखन की बनी बनाई लीक छोड़कर कुछ नया करने में आत्मविश्वास की कमी । • पठन-पाठन का अभ्यास न होना । • लेखन का अभ्यास न होने से शुद्ध और समय-सीमा में लिखने की असमर्थता ।	

	• भाषा के प्रति उपेक्षा या अरुचि से वाक्य-निर्माण या लेखन में आत्मविश्वास की कमी । **निवारण -** • पत्र-पत्रिकाओं,समाचारपत्र का अध्ययन, अपने आस-पास हो रही घटनाओं की जानकारी रखें। • अपनी बात को बिना झिझक परन्तु समुचित ढंग से प्रकट करने का आत्मविश्वास हो तो लेखन में आने वाली कठिनाइयाँ आसान हो जाएंगी । • अध्ययन और श्रवण के साथ-साथ समुचित लेखन का भी अभ्यास आवश्यक है अन्यथा मन में विचारों की प्रचुरता होने के बाद भी समय-सीमा में लिखना संभव नहीं होता । • समय-सीमा ,शुद्धता,स्वच्छता आदि मानकों के साथ लेखन का अभ्यास करें । उपर्युक्त में से कोई भी तीन-तीन बिंदु|	
	खंड-ग (आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)	
प्रश्न6	**काव्यांश पर आधारित प्रश्न**	5x1=5
(i)	ग.बच्चे के समान	
(ii)	क.बात का प्रभावहीन हो जाना	
(iii)	घ.उपर्युक्त सभी	
(iv)	घ.उपर्युक्त सभी	
(v)	ग.अभिकथन(A) और कारण(R) दोनों सही है R, A की व्याख्या करता है|	
प्रश्न 7.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-**	**2x3=6**
क.	कवि ने 'पतंग' कविता में बच्चों के उल्लास व निभीकता को प्रकट किया है। यह बात सही है कि किशोर और युवा वर्ग उत्साह से परिपूर्ण होते हैं। किसी कार्य को वे एक धुन से करते हैं। उनके मन में अनेक कल्पनाएँ होती हैं। वे इन कल्पनाओं को साकार करने के लिए मेहनत करते हैं। समाज में विकास के लिए भी इसी एकाग्रता की जरूरत है। अत: किशोर व युवा वर्ग समाज के मार्गदर्शक हैं।	
ख.	'कैमेरे में बंद अपहिज' करूणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। • यह मानवीय करूणा की कविता है| • साथ ही ऐसे लोगों की बनावटी करूणा का वर्णन मिलता है जो एक अपाहिज व्यक्ति के दुख-दर्द को बेचकर प्रसिद्धि एवं आर्थिक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। • यह कविता मीडियाकर्मी की संवेदनहीनता और क्रूरता को उजागर करता है।	

ग.	तुलसी युग में महिलाओं की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी। महिलाओं के प्रति लोगों की सोच बहुत ही संकीर्ण थी। नारी को केवल भोग की वस्तु माना जाता था। उनका अनेक तरह से शोषण किया जाता था। यहाँ तक कि पैसों के खातिर बेटियों को बेच भी दिया जाता था ।	
8.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :-**	**2x2= 4**
क.	कवि बादल का आह्वान क्रांति के रूप में करता है| कवि के अनुसार जब क्रांति होती है, तो गरीब लोगों में या आम जनता में जोश भर जाता है। यह वही वर्ग है, जो शोषण का शिकार होते हैं। अतः जब समाज में क्रांति होती है, तो इन्हीं से आरंभ होती है। क्रांति का आगाज़ होते ही नए और सुनहरे भविष्य के सपने संजोने लगते हैं।	
ख.	• काले आकाश की पृष्ठभूमि में सफ़ेद रंग के बगुले पंक्तिबद्ध होकर उड़ रहे हैं| • यह दृश्य इतना नयनाभिराम है कि कवि उससे मंत्रमुग्ध हो चुका है|	
ग.	• समय गतिशील है,समय बीत जाने का एहसास हमें लक्ष्य प्राप्ति के लिए प्रेरित करता है इसलिए दिन होने से पूर्व पथिक अपनी मंजिल प्राप्त करना चाहता है| • चिड़िया अपनी पंखों में वेग भरता है क्योंकि उसके बच्चे उसका इंतजार कर रहे हैं| • कवि घर जाने को व्याकुल नहीं क्योंकि कोई उसका इंतजार नहीं कर रहा है|	
प्रश्न9.	**गद्यांश पर आधारित प्रश्न**	**5x1= 5**
(i)	(क) राजनितिक पुरुष का	
(ii)	(ख) मानवता के आधार पर	
(iii)	(घ) कसौटी	
(iv)	(ग) आदर्श समाज की	
(v)	(क) सब मनुष्यों के साथ समान व्यवहार करना चाहिए ।	
प्रश्न 10.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए :-**	**2x3= 6**
क.	इसमें उस पुरानी सामाजिक व्यवस्था का चित्रण किया गया है जिसमें पुरुषप्रधान समाज में नारी की आवाज को हमेशा से दबाया गया और उसे उसके अधिकारों से वंचित किया गया । भक्तिन की पुत्री पर पंचायत का फैसला न्यायप्रद न होकर जबरन थोपा गया आदेश था जो कि स्त्री के मानवाधिकारों का हनन है ।	
ख.	**लेखक** लोक मान्यताओं में विश्वास नहीं होने के कारण पानी की बर्बादी मानते हैं ।	

	जीजी लोक मान्यताओं में विश्वास होने के कारण यह बरबादी नहीं मानती है। यह पानी का अर्ध्य मानती हैं, जो चीज मनुष्य पाना चाहता है उसे पहले देगा तो पाएगा| ऋषि-मुनियों ने दान को सबसे ऊँचा स्थान दिया है। छात्र स्वविवेक के आधार पर अपना तर्क प्रस्तुत करेगा |	
ग.	कला की प्रासंगिकता व्यवस्था की मुखापेक्षी नहीं है। उसका अपना स्वतंत्र मूल्य है जिसे कोई भी नहीं मिटा सकता। किसी कलाकार में निहित कला को परिस्थितियाँ कभी भी मिटा नहीं सकतीं। कलाकार अपनी कला के दम पर अपना मुकाम स्वयं बना ही लेते हैं वे व्यवस्था के मोहताज़ नहीं होते।	
प्रश्न 11.	**किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए :-**	**2x2= 4**
क.	जाति प्रथा पेशे का दोषपूर्ण पूर्व निर्धारण करती है जिससे मनुष्य को जीवन-भर के लिए एक पेशे में बँधा रहना पड़ता है और वह चाह कर भी अपनी कार्य-कुशलता के अनुरूप अपनी पसंद का कार्य करने की स्वतंत्रता प्राप्त नहीं कर पाता है। जिससे न केवल बेरोजगारी को प्रोत्साहन मिलता है बल्कि गरीबी जैसी नई सामाजिक समस्या का सामना भी करना पड़ता है।	
ख.	भयंकर गर्मी, उमस, लू आदि के बीच सरस रहने वाले शिरीष को लेखक ने कालजयी अवधूत कहकर उसे एक निर्लिप्त संन्यासी के समान बताया है । वह हर स्थिति में काल और समय को जीतकर अजेय बना रहता है और लहलहाता रहता है|	
ग.	बाजार सिर्फ ग्राहक की क्रय-शक्ति को देखता है। उसे इस बात से कोई मतलब नहीं कि खरीददार औरत है या मर्द, वह हिंदू है या मुसलमान; उसकी जाति क्या है या वह किस क्षेत्र-विशेष से है। बाजार में उसी को महत्व मिलता है जो अधिक खरीद सकता है। यहाँ हर व्यक्ति ग्राहक होता है। इस लिहाज से यह एक प्रकार से सामाजिक समता की भी रचना कर रहा है।	
प्रश्न 12	**किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए ।**	**2x5 = 10**
	क. यशोधर बाबू को किशन दा से अनेक जीवन-मूल्य प्राप्त हुए हैं जैसे- **परिश्रमशीलता -** केशन दा के परिश्रमी स्वभाव को देखकर यशोधर काबू ने यह निश्चय कर लिया कि उन्हीं को तरह वे भी मेहनत करके आगे बढ़ेंगे। **सरलता एवं सादा जीवन -** यशोधर बाबू किशन दा के जीवन की सरलता से बहुत प्रभावित होकर जीबन-भर सरलता का साथ नहीं छोड़ा। यशोघर बाबू किशन दा की तरह सादगी-भरा जीवन जीते थे| **समयबद्ध, परम्परावादी** आदि| छात्र स्वविवेक के आधार पर उत्तर देंगे|	

	ख. कहानी का शीर्षक कहानी की मूल संवेदना के अनुरूप है। कहानी का नायक आनंदा आरंभ से अंत तक संघर्षों के भंवर से जूझता-जूझता अंततः कामयाब हो जाता है। इसी संघर्ष के आधारशिला को आधार बनाकर इसका शीर्षक जूझ रखा गया। शीर्षक संक्षिप्त, मौलिक, प्रेरणादायक और सार्थक है। लेखक पारिवारिक संघर्ष से गुजरते हुए, वैचारिक संघर्ष के ऊहापोह से गुजरकर सहपाठियों के उपहास को सहकर भी शिक्षकों एवं मित्रों के सहयोग से संघर्ष को सफलता में बदलने में कामयाब हो जाता है। ग. • मोहनजोदड़ो सिंधु नदी के समीप बसा था। • नगर में लगभग 700 कुँए थे। • प्रत्येक घर में स्नान घर व जल निकासी की व्यवस्था थी। क) • यहाँ जल निकासी की व्यवस्था इतनी अच्छी थी कि आज भी विकसित नगरों में ऐसी व्यवस्था उपलब्ध नहीं है। • प्रत्येक नाली पक्की ईंटों से निर्मित थी और ईंटो से ढकी थी। इस सभ्यता की जल प्रणाली व्यवस्था के आधार पर इसे जल संस्कृति कहा जा सकता है ।	

****